उत्तरप्रदेश की काशी नगरी में चिकित्सकों की संगोष्ठी का आयोजन

बुरे संग में फँसे युवा को अध्यात्म संग देकर उठाने की ज़रूरत

सारनाथ उ.प्र.। वाराणसी के रुद्राक्ष अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेन्टर में युवा कल्याण तथा खेल, संस्कृति, सामाजिक न्याय और सहकारिता आदि मंत्रालय के साथ नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो,भारत सरकार की पहल पर युवा आध्यात्मिक समिट के अंतर्गत आयोजित 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' संगोष्ठी का सभी अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ किया गया।

ब्रह्माकुमारीज़ के मेडिकल प्रभाग के सचिव राजयोगी ब्र.कु. डॉ. बनारसी लाल शाह ने कहा कि आज भारत सरकार और समाज को ब्रह्माकुमारीज़ परिवार से ढेर सारी उम्मीदें हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो,भारत सरकार के साथ हुए समझौते का ज़िक्र करते हुए कहा कि यदि इस दिशा में आप जैसे चिकित्सक आगे आयें तो यह कार्य सहज सम्पन्न हो जाएगा। जीवन रक्षक डॉक्टर्स को 'नेक्स्ट टू गॉड' कहा गया है जोकि मानव को अनेक नशे की लत से होने वाली आर्थिक, सामाजिक और स्वास्थ्य की बर्बादी से सचेत कर व्यसनों से बचा सकते हैं। ब्र.कु. डॉ. सचिन परब,मुंबई ने कहा कि संग के प्रभाव में आकर नशे की बुरी लत में फँसे हुए युवा और जन सामान्य के उत्थान के लिए, हमें उनके पुनर्वास के लिए परिवार और समाज को भी सहयोगी बनाना होगा। उनके अन्दर की हीन भावना को हमें आत्म सम्मान में बदलकर जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना होगा। वाराणसी की क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुरेन्द्र दीदी ने कहा कि सभी स्थूल नशे जीवन को नाश करते हैं सिवाए एक नारायणी नशे के...। यह एक ऐसा नशा है जिससे व्यक्ति खुद अपने साथ परिवार, समाज और देश में सकारात्मक और श्रेष्ठ शान में रह जीवन जीने की कला है। इसे दिनचर्या में शामिल करने हेतु प्रेरित करने की ज़रूरत पर बल दिया। क्षेत्रीय प्रबन्धक राजयोगी ब्र.कु. दीपेन्द्र ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. तापोशी व ब्र.कु. विपिन ने किया। इस अवसर पर राजयोगी ब्र.कु. मोहन, ब्र.कु. नंदना,भोजुबीर, ब्र.कु. सरोज,चिरईगुर, ब्र.कु. राधिका,सारनाथ, ब्र.कु. ओ.एन. उपाध्याय, ब्र.कु. राजू, ब्र.कु. संदीप, ब्र.कु. सूरज आदि की उपस्थिति रही।

ये भी रहे मौजूद

न्यूरोलॉजिस्ट ब्र.कु. डॉ. स्वप्निल गुप्ता,दिल्ली, कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अभय पाण्डेय, बी.एच.यू. की पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. प्रो. मधु जैन, बाल रोग विशेषज्ञ एवं आकांक्षा हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. आदित्य सिंह, डॉ. अंकुर सिंह, गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. वन्दना सिंह, ऑर्थोपेडिक सर्जन एवं होली सिटी हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. के.डी. जायसवाल, ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. अभिषेक राय, बी.एच.यू. के वरिष्ठ एनेस्थेसियन डॉ. राजीव दूबे, बाल रोग विशेषज्ञ एवं पीस चाइल्ड हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. आर.के. सिंह, जनरल सर्जन एवं कचनारी हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. योगेश्वर सिंह, आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज के प्रो. डॉ. भगवान यादव, प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. दिनेश यादव, डीटेटर डॉ. पीयूष पाण्डेय, डॉ. डी.एल. शर्मा, डॉ. विश्वनाथ सिंघेल, होम्योपैथिक के डॉ. संजय मिश्रा, डॉ. गोमती अग्रवाल,माउंट आबू एवं डॉ. अमित विश्वास ने भी विचार रखे।

कर्मयोगी हर परिस्थिति में एक समान रहता: दीदी चन्द्रिका

महान हि.प्र.। 'विश्व एकता एवं विश्वास हेतु ध्यान' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में राजयोगिनी ब्र.कु. चन्द्रिका दीदी,उप-क्षेत्र प्रमुख ब्रह्माकुमारीज़ महादेव नगर गुजरात व युवा प्रभाग की अध्यक्षा ने बताया कि मन को वश करने के लिए ध्यान आवश्यक है। जैसा हमारा संग होगा वैसा ही हमारा रंग होता है इसलिए यदि हम परमात्म संग करेंगे तो उनके समान बन जाएंगे। दीदी ने बताया कि योगी की स्थिति मान-अपमान, निंदा-स्तुति, सफलता-असफलता, जय-पराजय हर परिस्थिति में एक जैसी रहती है। जैसी स्मृति वैसी स्थिति अर्थात् स्मृति का प्रभाव हमारी स्थिति पर पड़ता है। स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. मीना ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन ब्र.कु. सुशील ने किया। कार्यक्रम में सांसद सुरेश कश्यप, प्रदेश अध्यक्ष भाजपा डॉ. राजीव बिंदल, प्रबंध निदेशक संजय आहूजा तथा अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही।

पुलिस कर्मियों और भारतीय तिब्बत पुलिस बलों के लिए

कार्यक्षमता बढ़ाने व सुस्वास्थ्य के लिए राजयोग मेडिटेशन ज़रूरी

लखनऊ-उ.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के बन्दानी भवन में पुलिस कर्मियों और भारतीय तिब्बत पुलिस बलों के लिए मानसिक स्वास्थ्य और कार्यक्षमता वृद्धि हेतु एक मेडिटेशन एवं तनाव प्रबंधन कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ के पश्चात् राजयोगी ब्र.कु. प्रो. गिरीश,मुंबई ने पुलिस बलों का उमंग-उत्साह बढ़ाते हुए समाज के साथ-साथ स्व के प्रति ज़िम्मेवारियों पर भी प्रकाश डाला और स्वयं के मन का कैसे ध्यान रखें इसके लिए विभिन्न राजयोग मेडिटेशन के सूत्र बताए, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भारतीय तिब्बत पुलिस बल के कमांडेंट राजकुमार ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल पुलिस कर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने भविष्य में ऐसे और कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से भारतीय तिब्बत पुलिस बल से कमांडेंट राजकुमार, कमांडेंट रवि और उत्तरप्रदेश पुलिस से पी.टी.ई. रिंकी मौजूद थे। ब्र.कु. सुमन ने भी विचार रखे।

विराट संत सम्मेलन का आयोजन सम्पन्न

दुनिया को बदलने के लिए स्वयं के दृष्टिकोण को बदलने की आवश्यकता

बिलासपुर तथा कैल सिटी(म.प्र.)। 'अध्यात्म द्वारा श्रेष्ठ समाज की स्थापना' विषय पर आयोजित संत सम्मेलन कार्यक्रम में महामंडलेश्वर आचार्य कमल किशोर,सहारनपुर ने कहा कि आध्यात्मिकता से स्वर्णिम भारत का निर्माण होता है। उन्होंने संत की परिभाषा बताते हुए कहा कि संत वह जिस पर नाम-मान-शान, सुख-दुःख जीवन की कोई भी परिस्थिति का प्रभाव नहीं पड़ता है। ब्रह्माकुमारीज़ के धार्मिक प्रभाग के मधुबन कोऑर्डिनेटर राजयोगी ब्र.कु. रामनाथ ने कहा कि सारी बीमारियों की वजह हमारा मन है। शांत मन से शुद्ध विचार उत्पन्न होते हैं और शुद्ध विचार हमें अध्यात्म के ज़रिए परमात्मा से जोड़ते हैं। धार्मिक प्रभाग के ज़ोनल कोऑर्डिनेटर राजयोगी ब्र.कु. नारायण,इंदौर ने कहा कि आध्यात्मिकता हमें हमारी पहचान बताती है। स्वयं को परिवर्तन करने से हम सारे संसार का परिवर्तन कर सकते हैं। महानदी गीत की सुप्रसिद्ध गायिका प्रज्ञा भारती ने कहा कि यह देश महान है, यहाँ के महापुरुषों के कारण जिन्होंने समय पर अपनी महानता से देश को जागृत किया। देश के व्यक्तियों के कारण ही देश महान होता है। हमारे साधु-संतों का देश में निवास होने से ही देश महान है। इसके अतिरिक्त उक्त कार्यक्रम में उपस्थित समस्त मुख्य अतिथिगण परमानंद गिरि महाराज, बिलासपुर की महापौर पूजा विधानी, महाराज पुष्पेन्द्र,अयोध्या, ब्र.कु. भारती,कटनी, जिन्होंने लगभग 150 भागवत कथाएं कराई हैं, ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में संत महामंडलेश्वर एवं पुजारी भी उपस्थित रहे।

RNI NO. RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/24-26, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2024-26, Posting on 23th TO 24th Each Month
स्वामी - आर.ई.आर.एस. प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक - गंगाधर सचिवने द्वारा कैपिटल ऑफसेट, L 311-1, Sector-28, GIDC Gandhinagar (Guj.) से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शान्तिवन तलहटी से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़, तलहटी, आबू रोड, शान्तिवन - (राज.) - 307510
See Latest News login
www.omshantimedia.org